



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21368	ImageGroup:	I3CN21380
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། gsung 'bum/ tA ra nA tha/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	11
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019

32

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महिषासुरवधो नाम धर्मपर्वः । त्रिपुरारुद्रविजयः । देवद्वन्द्वविजयः । दक्षप्रतिष्ठापनः । अथ महाभारतम् ।
 यद्वाचस्पत्येन संपाद्यम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । देवताविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।
 भक्तिसंयोगः । कर्कशसूक्तम् । सुदर्शनसूक्तम् । दशरथसूक्तम् । दशरथसूक्तम् । दशरथसूक्तम् ।
 लीलावलि । दशरथसूक्तम् । दशरथसूक्तम् । दशरथसूक्तम् । दशरथसूक्तम् । दशरथसूक्तम् ।
 मेघदूतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् ।
 अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् । अथ महाभारतम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

291

॥ पुर्वोक्तं ॥ ॥ विष्णोर्विश्वम् ॥

卷之四
 四庫全書
 禮記集說
 卷之四
 四庫全書
 禮記集說
 卷之四

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चविंशोऽध्यायः ॥

卷之四

1000 2000 3000 4000 5000 6000 7000 8000 9000 10000

पुनर्विचार

大德二年
 庚子年
 九月
 廿五日
 庚子年九月廿五日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

부속 4번의 경우

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

1543

॥ अथ अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

Handwritten text in a rectangular box, likely a manuscript or document. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is arranged in several lines. The box is bordered by a simple line, and the text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper.

1997

॥ चवमोऽध्यायः ॥ श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रे श्रीपरमेश्वरस्यैवमवतारस्य ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

2
 1
 2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to contain multiple columns of handwritten or printed script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]



३५१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



24

10

1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥५५॥

999

२८२ पञ्चमस्कन्धे पञ्चमः ।

दस दशुमन्युदरं रजः

美里瑪路瑪路

[illegible]

प्रसन्नमनसः भवतु।

॥२९॥

विष्णुः कुरुष्व नमोऽस्तुते

[illegible]

॥ अदयस्यै यद् दत्तं यस्तु त्वं यदेव ज्ञेयम् ॥ पुनर्न दत्तम् ॥

[illegible]

'सुखं दुःखं च भवेत्तदपि न विचरेत्' इति

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

མཁུ་རྩ་ལས་ཀྱང་གསལ་པ་མེད། ལྷན་པོ་ལས་

745

सुखाद्युगवर्धयाम्य। गदवर्धयाम्येकम्।

[illegible]

सुप्रभातं सुखं विदुषः परमम् । इत्येव

सुदयपुत्र दण्डवत् प्रणम्य

सुप्रभातं नमो भगवते वासुदेवाय । सुप्रभातं

॥१॥

[illegible]

[illegible]

757-9254

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.)

[illegible]

[illegible]

APPENDIX

[illegible]

[illegible]

ॐ

विश्वपठनस्य

परमेश्वरस्य

देवदेवस्य

सर्वेश्वरस्य

सर्वभूतस्य

सर्वलोकस्य

सर्वधर्मस्य

। पञ्चमस्तोत्रम् ।

विश्वपठनस्य

परमेश्वरस्य

देवदेवस्य

सर्वेश्वरस्य

सर्वभूतस्य

सर्वलोकस्य

सर्वधर्मस्य

। पञ्चमस्तोत्रम् ।

विश्वपठनस्य

परमेश्वरस्य

देवदेवस्य

सर्वेश्वरस्य

सर्वभूतस्य

सर्वलोकस्य

सर्वधर्मस्य

। पञ्चमस्तोत्रम् ।

विश्वपठनस्य

परमेश्वरस्य

देवदेवस्य

सर्वेश्वरस्य

सर्वभूतस्य

सर्वलोकस्य

सर्वधर्मस्य

। पञ्चमस्तोत्रम् ।

विश्वपठनस्य

परमेश्वरस्य

देवदेवस्य

सर्वेश्वरस्य

सर्वभूतस्य

सर्वलोकस्य

सर्वधर्मस्य

[illegible]

1998

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

59

[illegible]

[illegible]

॥५॥

[illegible]

[illegible]

पञ्चमः अङ्कः

[illegible]

[illegible]

7/5/05

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

॥६॥

[illegible]

市天啓二年

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीनारायणस्तोत्रम् ।
 १ नमोऽस्तु ते नारायणाय । धर्मराज्यं प्रसीद मे ।
 २ नमोऽस्तु ते नारायणाय । सर्वपापहर्त्रे नमः ।
 ३ नमोऽस्तु ते नारायणाय । शत्रून् हन्तुं प्रदा मे ।
 ४ नमोऽस्तु ते नारायणाय । सुखं कुरु मे मया ।
 ५ नमोऽस्तु ते नारायणाय । दुःखं हन्तुं प्रदा मे ।
 ६ नमोऽस्तु ते नारायणाय । भयं हन्तुं प्रदा मे ।
 ७ नमोऽस्तु ते नारायणाय । धनं कुरु मे मया ।
 ८ नमोऽस्तु ते नारायणाय । पुत्रान् कुरु मे मया ।
 ९ नमोऽस्तु ते नारायणाय । वरदानं प्रदा मे ।
 १० नमोऽस्तु ते नारायणाय । सर्वकलेशघ्नके नमः ।

[illegible]

THE

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि शूरवीराः ॥
 संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पांडुरम् ॥ वीर्यवान्द्रुपदमुपासीत ॥
 तदा हतमुखः प्रहसन्निधौ निशितम् ॥ बभूवुर्बल्लभ्याम् ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य पराक्रमः ॥ विस्मयादिप्रभवः प्रज्ञाविभक्तः ॥
 स हि पाण्डवः सर्वेषां मनुजैर्मानसिकः ॥ योऽस्माकं पश्यति शरीरं तच्छरीरमेव मे ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य पराक्रमः ॥ विस्मयादिप्रभवः प्रज्ञाविभक्तः ॥
 स हि पाण्डवः सर्वेषां मनुजैर्मानसिकः ॥ योऽस्माकं पश्यति शरीरं तच्छरीरमेव मे ॥

[illegible]

卷之五

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

五、

[illegible]

[illegible]

254

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

१५३२

[illegible]

平天寺

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५३५७९

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥५॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७॥ ५ मुनि विनि विप्रेष्य च देवतामदहु अहं विनि रमेय त्रयसाग



506

पञ्चशतमुपा

पठेत्सर्वं तदा सदा यथा कथं मुनिः प्रकीर्तयति

मदेकैरुदुपहुणमरेविपठु।

पुस्तक

ॐ नमः शिवायः

॥ कृणुतुं शुद्धं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ कर्मोपहृतमुपै ॥

पञ्चमस्यदुष्टेतिविषयेविशेषमुक्तम्अथइयमिदंयदेवज्ञानद्वन्द्वमर्हति

॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

॥ दयुर्दुःखं घनं यदयुः ॥

॥ यद्वाच्यं भवति तदा ॥

। वैकुण्ठसुखस्यैव

दिदुभयसदमदमपरिसु !

॥ देवमर्त्यं त्र्यम्बकं यदृणोत्यन्नं यदृणोत्यन्नं यदृणोत्यन्नं ॥



64 65 66 67 68 69

229

● 2010年10月10日

सुखदुःख विपर्ययः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

43

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

॥१॥ यदर्थं कुरुते इदमर्थं कुरुते

यस्यैव यथा ॥ १ ॥

[illegible]

संस्कृतभाषायां पद्येषु विविधाः शृङ्खलाः प्रचलन्ति।

[illegible]

1995

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

五、

RESEARCH

1994

LIBRARY

100

1947-1948

— *Journal of the American Medical Association*

THE 3000-WORD TEST

1974 44 393 79

22-2-2020

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

सुखी हिन्दु महासभा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

11

11

1

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit or Pali script found in the other pages.)

✓

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.)

[illegible]

[illegible]

मयै नह दभ रपेवेवदपहुन वैदेहेअमवपण्वो । देधरपिउवा वैसापुगनुचिइ यल देदिदरेखपुवसे । देवेणदस वदसुनय पिउपरवि सुअदयेसदसकु सति जेवेद विअथ ।
 देविदनेसुआपण कसलेठेस चरो । पदेदअपअपसददेयेडेपदे सुअ पावे सपसपदेदक अणुप येपस पुअपदम सणेपा अअदसरे मणिषपहु गठेदयदसुअसुअयस । मजके
 सुअअसकुण ठेदविहिअ मेसाएलीसरेअहुडिदमकेअतियुपकुअ । पू पदेपदसलेपणकुकेकलेपसुकुकेवेस य लुद हो । वेअंअपदेसुअअकददगेस हे । वेददकुदसुअसुअसु
 दसुअ लेसमसदस पकुअस । कुसमुकमापण नेसुअअदयस पसदको । दिखयेवेददपवेकय सुअकेस मसदस यअदमेकदसदरो । देवेणपुव देमदेदअदसदगेस लेसुअअदमेक
 सेकुप दुणदसयस । देससुअसुअअकदसठेसपदेददका । सपदेसठससअ मकसमेदा । समद मवेणदस सुअसुकुलेकसले । देवसुअपिउयसी । वसअलेसुअअअदकुदमवेकुअ
 सुअसुकुलेसद । आददेससुअदेहिअअअदसपवेस पसअअले पजेसहेअसरेअपिउय । देवसुअपदेसुअअअकदसपदेदेवसुअअसलेमवेवे । देवेण पदसठेस
 दणदसपदेदमदगेण सदसप मेकदो । मजकेअसुअदेहिअअदेदेससुअअदससअअकदसपदे । सुअसपदेदेसुअअदेवे । देवेणपदसठेस

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

1221

ਪ੍ਰਸਿਦ੍ਧਤਾਤਮਕਾ

पदसुखयः पदमर्दपदेपरमा

॥ इत्युक्तं ॥

अथ पञ्चमः अध्यायः ॥

पदद्वयं यद्वाक्यं यद्वाक्यं यद्वाक्यं । ॥ ॥ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विषयसूचकसूचकसूचक

सुगणस्यैव सविदप्रत्ययस्यैव

इति चण्डिका स्तोत्रम्

मदी द्वायनय दय ददय दद

[illegible]

पुष्प पुष्पा

[illegible]

विषयसूचकपादपत्रः

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

गुह्येति ध्यायन् सर्वमसाद्य केनचित्पथे नमोऽस्तु तदा

पञ्चमः सर्गः

[illegible]

द्वितीयः प्रश्नः - द्वितीयः प्रश्नः

一、中華民國
 二、國民政府
 三、行政院
 四、教育部
 五、社會教育司
 六、圖書館
 七、兒童館
 八、少年館
 九、青年館
 十、婦女館
 十一、老人館
 十二、殘疾館
 十三、職業館
 十四、體育館
 十五、音樂館
 十六、美術館
 十七、戲劇館
 十八、電影館
 十九、攝影館
 二十、印刷館
 二十一、出版館
 二十二、發行館
 二十三、經銷館
 二十四、代售館
 二十五、批發館
 二十六、零售館
 二十七、租賃館
 二十八、借閱館
 二十九、預約館
 三十、登記館
 三十一、編目館
 三十二、分類館
 三十三、索書館
 三十四、檢索館
 三十五、諮詢館
 三十六、參考館
 三十七、研究館
 三十八、實驗館
 三十九、示範館
 四十、推廣館
 四十一、普及館
 四十二、提高館
 四十三、發展館
 四十四、進步館
 四十五、繁榮館
 四十六、昌盛館
 四十七、興隆館
 四十八、振興館
 四十九、發達館
 五十、進取館
 五十一、奮鬥館
 五十二、犧牲館
 五十三、奉獻館
 五十四、服務館
 五十五、貢獻館
 五十六、成就館
 五十七、功績館
 五十八、榮譽館
 五十九、光榮館
 六十、尊嚴館
 六十一、名譽館
 六十二、地位館
 六十三、權威館
 六十四、實力館
 六十五、影響力館
 六十六、領導館
 六十七、核心館
 六十八、引擎館
 六十九、動力館
 七十、源泉館
 七十一、基礎館
 七十二、支柱館
 七十三、支撐館
 七十四、保障館
 七十五、後盾館
 七十六、堅強館
 七十七、穩固館
 七十八、可靠館
 七十九、可信館
 八十、可敬館
 八十一、可愛館
 八十二、可憐館
 八十三、可悲館
 八十四、可怕館
 八十五、可恨館
 八十六、可笑館
 八十七、可惜館
 八十八、可悲館
 八十九、可怕館
 九十、可恨館
 九十一、可笑館
 九十二、可惜館
 九十三、可悲館
 九十四、可怕館
 九十五、可恨館
 九十六、可笑館
 九十七、可惜館
 九十八、可悲館
 九十九、可怕館
 一百、可恨館

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पञ्चदशविंशत्यष्टादश

पुण्यपदसदयकृतदयसा।

दोषद्वयं दृष्ट्वा विदुः शब्दद्वयं विदुः शुद्धा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

23

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

सर्वत्र विद्यमानं भवति ॥

[illegible]

[illegible]

1973

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः ॥
इत्येकस्मात्प्रसूतं त्रिष्वङ्गम् । इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

29

॥ विसृज्य दुःखं ॥

परमेश्वरपुत्रस्यैवैकैद।

॥ सुखं न भवत्यकुसुमं मम हृदि नृणां ॥

॥ देवपुत्र ॥

देवसायपियेसिभुदरुदकुलेसपक्यैहस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥८॥ सुदुर्लभं यथा वदन्त्युदयः स्यात्तुल्यं

॥ विष्णवे नमः ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

इ.स. १९५०

ॐ देवदेवस्य नमः सर्वदेवस्य नमः

भुवनेश्वरदेवदेवसुखगिरिदामक

विष्णुं प्रणम्य पदौ दत्तं तदा तदा ॥ ५५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

अथ यत्पुनः सत्यं पदस्य अर्थः ।

[illegible]

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

सुखदुःखद्वयसंयमोऽयमस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2019年12月15日

५८. अथ यज्ञस्य यज्ञस्य दक्षमहर्षिः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच ।
 भीमार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 इति श्रीभगवान् श्रीकृष्ण उवाच ।
 अर्जुन उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 इति श्रीभगवान् श्रीकृष्ण उवाच ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a Sanskrit or Hindi manuscript.)

991

[illegible]

[illegible]

1971

[illegible]

कणस्योक्तं पदे

पयःकणस्योक्तं

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

अथ

[illegible]

[illegible]

90

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

कुलदेवय।

पुष्पस्य

रघुनाथ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1900

100

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

221

इषास्येह

कृष्णाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1922年12月22日

1874

॥ ह्रीं क्लीं यय्युह्वयमहोदधिः ॥

नैऋत्येयं दक्षिणायाम् सुषुप्त्युदयकुरुद्वन्द्वं कुरुद्वन्द्वं कुरुद्वन्द्वं कुरुद्वन्द्वं

व्यसङ्गस्य च यद्वैकुण्ठं

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५२५४ पुं ५३३ अक्षर २१

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

०४४०४०४१ ४५५१

འདྲི་བ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་ཡོད་པ་ལྟར་

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय

यस्यैव सत्यं सत्यं सत्यं सत्यं सत्यं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ हृषीकेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五十六

सुखं कुरुते तु मया नैव कथं च

मदपदमिच्छादं पुनरुपपन्नमिच्छादं

निमेषसूत्रद्वयप्रतिषेधः

1927-28

71

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

संस्कृत-भाषायां पद्येषु प्रथमः

卷之四

16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 10

दण्डमुद्रा। मुद्रायाम्

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

द्वितीयं ब्रह्मसूत्रम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

22

इति

25

99

५५५

26

張三

॥ इति सुप्रसन्नमहाह्वये ॥

॥ इन्द्रोऽस्य इन्द्रोऽस्य ॥

附錄

1947

1875 1876

1977-1978

HONGKONG & SHANGHAI

RESEARCH DESIGN

विश्वविद्यालय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

104 2 25

97 2003年12月

यथाशक्तं यथाशक्तं यथाशक्तं यथाशक्तं यथाशक्तं

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

विषयक इतिहास

[illegible]

1947

वअससुददणैक्षसुदयरेयै

यथायुक्तं यथायुक्तं

द्वितीयः प्रश्नः

१३३५

[illegible]

सुख-सुख ॥ सुख-सुख ॥

DISPATCH

...
...
...

महाराष्ट्र - राज्य सरकार

1885

12. 12. 1944

[illegible]

22

100

22

12

251

100

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.)

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

32

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense collection of handwritten or printed characters, possibly in Devanagari script, arranged in several horizontal lines across the page.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

वि.सं.६७

92

७२. १. । अङ्गुलिमाला ।

कृत्वा यथापि पञ्चसु वसकेकुन्दसु ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Q 851

८३१ पुत्रेष्टः शङ्कराचार्यः सत्सङ्गः

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765 2766 2767 2768 2769 2770 2771 2772 2773 2774 2775 2776 2777 2778 2779 2780 2781 2782 2783 2784 2785 2786 2787 2788 2789 2790 2791 2792 2793 2794 2795 2796 2797 2798 2799 2800 2801 2802 2803 2804 2805 2806 2807 2808 2809 2810 2811 2812 2813 2814 2815 2816 2817 2818

522

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य सरकार

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

此乃... (faint text)

[illegible]

रुद्रदेवताय नमः ॥ रुद्रदेवताय नमः ॥

रण रसस्य अरुणोदये।

मयस्य सुखाय।

उत्तरादयः कर्मणा

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

मयस्य सुखाय

उत्तरादयः कर्मणा

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

मयस्य सुखाय

उत्तरादयः कर्मणा

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

मयस्य सुखाय

उत्तरादयः कर्मणा

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

यस्य सुखं

王

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

No. 1

Abstract

इअं गइरया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ५३५३५३५३५३५॥

५३ वाङ्मयः २६३

मोदमतिमयैर्वर्णितैर्दृष्टानिप्रसङ्गात्तथाप्युपपन्नम् ।

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

किं दुःखस्य मयि पश्यसि

འཇིགས་ཀྱི་ལུང་པར་དེ་ནི།

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ सर्वे भेदमहं यमहं ॥

॥ देवदेवस्य देवपुत्रस्य देवपुत्रस्य देवपुत्रस्य ॥

समस्तैः ॥ १५ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1952年12月25日

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ इत्युक्तं ॥

548300376495

मुपस्यपठैसदमहसतेविदपचमस्य

॥ यत्तु दापेत्तु यत्तु यद॥

सर्वेभ्यो नमः॥

1945年10月1日

महाराष्ट्र राज्य सरकार

1994 315 25 9.351

रदपण के परहसाय दंड।

मुपस्यपठैसदमहस्येवैदपचमस्य

शुभाष्टमिदं देवैः प्रियदा

15. 1995年10月1日以后，凡在境内销售货物或提供应税劳务、应税服务以及进口货物的单位和个人，除另有规定外，均应按照《中华人民共和国增值税暂行条例》及其实施细则的有关规定缴纳增值税。

1. 1990年12月15日

Figure 1

LIBRARY OF THE

॥ १५३ ॥

ਘੁਰਦੇ ਗੇਝੇ ਗੇਝੇ ਗੇਝੇ ਗੇਝੇ।

अथैतदुक्तं ॥

© 1999 Blackwell Science Ltd

1950 11 20 11 20 11 20

REP. JEFFREY

15

18 JAN 1971

५४३।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

1925年10月23日

1994-1995

১৯৭৭-৭৮
 ১৯৭৮-৭৯

१५

10-11-12-13-14-15-16-17-18-19-20-21-22-23-24-25-26-27-28-29-30-31-32-33-34-35-36-37-38-39-40-41-42-43-44-45-46-47-48-49-50-51-52-53-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Vol 1

[illegible]

[illegible]

199

सिद्धयेत्येवम् इत्येवमेषद

इति

ॐ नमः शिवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

मकुंकेण प्योदयतिरेणहुपकुदपरःपुमर्षे

[illegible]

[illegible]

CH

[illegible]

[illegible]

92

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

227

पञ्चदशसूक्तम्

सुपेन्द्रकदम्बस्य सुपेन्द्रकदम्बस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मिदलरुद्राय नमः ॥ १ ॥

सप्तमः अध्यायः ॥

[illegible][illegible]

इति श्रीगणेशाय नमः ।

इन्द्रावरुणस्य पुत्रौ ।

सकामदयः सुखमसुखव्यभिचरः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

2017年12月12日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

64

ΣΥΝΟΛΟ ΕΠΙΧΕΙΡΗΣΕΩΝ

५१७६८

275

54451

三才圖會

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य सरकार

● 2019 年 12 月 1 日

३. अथ चतुर्थोऽध्यायः ।

५५५

सत्यं वदतु ॥ सत्यं वदतु ॥ सत्यं वदतु ॥

३ सुपुत्रं पुण्यसिद्धदत्तकामदत्त

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

255

Figure 1

2000

2000

453

258

1000

524

ਪ੍ਰੇਮਾਭਿਰੁਪਾਦਰੁ ਕੀਰਤਿ ਕਰੁਣਾ ਪ੍ਰਦਾਯਕੁ॥

इत्यप्येवमस्मात्तुल्यं यद्विषयः स एव विषयः ।

॥ दशहोम दशहोम दशहोम ॥

५५। इण्डियाई सागरासु पादने। सागरासु पादने।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

1944

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३५६

देवयजोऽथ हव्यं हव्यं पदुष्यते

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

महाराष्ट्र राज्य सरकार, न्यायिक शाखा, मुंबई

सुविधिः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ सप्तमोऽङ्कः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति पञ्चमः सर्गः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

यस्य स न स त्पदं सा स पदं सा त्पदं =

५०३

सर्वत्रैवैषां नृणां भुवनस्य नमोऽथ च

[illegible]

[illegible]

[illegible]

927

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.)

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

1201. *[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*

(The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)



॥ अथ सुप्रसन्नं ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2000-2001

५४३

प्रसन्नमुखाय नमः

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

सप्तमः सर्गः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

[illegible]

ལྷ་དཔྱད་མ་ཐོང་ལྟར་ཡང་།

[illegible]

འདྲམ་དུ་བཀུན་པ་དང་

१०५२५४६८

[illegible]

पञ्चमः अथ पञ्चमः

मसुहादगावस्य चरकस्य मसुहादगावस्य चरकस्य

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

51 1975 5/20/75

पुस्तकालय

འདུལ་དཔྱད་དམ་དཔྱད་པ་དང་ལུས་ལུས་མཐའ་མཐའ་ལྟར་ཕྱུང་ལོང་གྲ་གྲ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

མཆོད་རྟེན་དུ་བསྐྱེད་པའི།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

इत्युक्तं तदा पुनः प्रोक्तं तदा पुनः प्रोक्तं तदा पुनः प्रोक्तं

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५७४

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

7. 2014 01 26 09 04 44

[illegible]

[illegible]

92'

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

附錄

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 १॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 २॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ३॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ४॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ५॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ६॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ७॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ८॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 ९॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥
 १०॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥ गच्छति यः कुरुक्षेत्रे युद्धं ॥

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

四二

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

134524

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुद पत्रद्वय पत्रसुपुष्यस्य वक्ष्य पत्रद्वय पत्रद्वय । सुद पत्रद्वय पत्रसुपुष्यस्य वक्ष्य पत्रद्वय पत्रद्वय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दशरूपसूत्रम् अथवापुण्यं य इह मन्त्रः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुगन्धं सुवसनं च यत्तु पदं पुनरपि न दृश्यते ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਘਰੇਲੂ ਅਤੇ ਅਸਾਨ ਅਰਥ

मौजुद मुद्रा रूपावली।

संयन्त्रसंग्रहः

कथम् । इदं वदतु अहं इदं वदतु अहं सुप्रभातम् ।

[illegible][illegible][illegible]

॥ यद्वाचस्पति इत्युच्यते ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

22

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

221

[illegible]

[illegible]

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 द्रुपद उवाच । पाण्डवस्य ते नमः शूरवीर । भवानीकं ते ह्यर्जुन महामती ॥
 वीर्यवान्पुत्रस्तप्तकर्मास्त्वष्टराः । सौमित्रास्तु ते पाण्डवस्य महात्मनः ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 द्रुपद उवाच । पाण्डवस्य ते नमः शूरवीर । भवानीकं ते ह्यर्जुन महामती ॥
 वीर्यवान्पुत्रस्तप्तकर्मास्त्वष्टराः । सौमित्रास्तु ते पाण्डवस्य महात्मनः ॥

देवताकां वीर दगुदरुदपरिपोषेयकी। हृदयैरनसदपरिपोषेयकी। वरुणस्य परिस्य वरुण नैस्य सुगं दनयेयदुसंरुतया। इति सारदेसादस्य कुसुमं वरुणं दनयेयदुसंरुतया।	देवताकां वीर दगुदरुदपरिपोषेयकी। हृदयैरनसदपरिपोषेयकी। वरुणस्य परिस्य वरुण नैस्य सुगं दनयेयदुसंरुतया। इति सारदेसादस्य कुसुमं वरुणं दनयेयदुसंरुतया।	देवताकां वीर दगुदरुदपरिपोषेयकी। हृदयैरनसदपरिपोषेयकी। वरुणस्य परिस्य वरुण नैस्य सुगं दनयेयदुसंरुतया। इति सारदेसादस्य कुसुमं वरुणं दनयेयदुसंरुतया।	देवताकां वीर दगुदरुदपरिपोषेयकी। हृदयैरनसदपरिपोषेयकी। वरुणस्य परिस्य वरुण नैस्य सुगं दनयेयदुसंरुतया। इति सारदेसादस्य कुसुमं वरुणं दनयेयदुसंरुतया।
--	--	--	--

221

[illegible]

[illegible]

No.

1045

। निष्कामस्य कृपयास्य मदुत्तुम्यद्वयैव पुनरे ।

॥ अथ अष्टादशोऽंशः ॥ अथ अष्टादशोऽंशः ॥ अथ अष्टादशोऽंशः ॥

अथवा २०२२

संज्ञासूत्रम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

अथ सप्तमः प्रश्नः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ ह्रीं क्लीं वसुधैव कुटुम्बकम् ।

॥ अथ शिवसंज्ञायाः परमार्थोक्त्या ॥

美孚石油公司

सर्वप्रकारके

पञ्चमस्य षष्ठ्या च त्रिंशत्तुल्यं विभक्तं द्वादशैकैश्चैव

१७९०

तुल्यं सत्त्वगुणरसप्रमाणम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

सक सवि सदि । ५५५

अस्य दूषणसदृशसद्वर्णनस्य परस्य वृत्तकृतस्य अद्वैतस्य

१३

1891

[illegible]

991

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

सर्वदेवतापूजापद्धतिप्रमाणेन।

ཐུགས་ཅད་པད་ཀྱི་དེ་ཅིས།

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

མ་ཁྱེད་དང་སྐར་ཆ་ལོ་ནི།

अवतु त्वा य रदय मरक क ज र द र ज य म र द

$\frac{1}{\sqrt{x^2 + y^2}} = \frac{1}{r}$

५५८३ ३८८५५५ ३८८५५५

विद्युत्संवासात्तदुदघोषेनैवाविदुदत्तः । य

५५१) ५५२) ५५३) ५५४) ५५५) ५५६) ५५७) ५५८) ५५९) ५६०)

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ठाण्णं दयं दुःखं संयत्तं ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

THE

स्य विषयं भूतं प्रत्यक्षम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

यदयं कर्म

सत्यं भूतं ज्ञानं सत्यम् ।

— 12 11 9 8 7 6 5 4 3 2 1 —

विशेषः अथ दण्डमुक्ताः।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

三國志

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

सुखं वसुदयस्य पुण्डरीकम् ।

॥ सुर्वेकसक यदुक्तमस्य ॥

॥ सदाशुभं कुरु ॥

। सुमय्यददणर वञ्चद दुस दे ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

一、

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कस्य पश्युः । अथ यथाकथं दृश्यते ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखसमस्तं च सुखं यदुच्यते

51 222

५ वा ७ वा गुदरावहक पद।
यदि ७ वा गुदरावहक पद।

हृणः क्षयपुत्रद्वयस्य हृणः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५८। ॐ अथ पुनर्यथा भवति

१५५५

३८५३

प्राप्तः ।

1951

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

विद्यमानस्य दस्युः कुरुक्षेत्रे दृश्यते

१५५५

१२३५४६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

२५३६५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

इत्युक्तं किं तदुक्तं यत् अस्मिन्नेव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीरामरक्षय्य

सदयः सदा सदा सदा सदा सदा सदा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महामाया विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

১৯৪৭ খ্রিঃ ১০/১১/৪৭

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

১৯৭৭-৭৮ অর্থবছর

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

2. ANALYSIS OF THE FACTORS

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुन्दरपर्वतस्य सुन्दरपर्वतस्य

...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

1872

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1949

१९९४-१९९५

(The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

पु.सं.२३५५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

29

श्री ५८३ अथर्ववेद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

देव प्रिये मेसायण्डस वद्वयसा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

॥ अथ सर्वपुत्रसूक्तम् ॥

गर्देदप्येकमव्यवच्छेदप्येकमस्तु १३३

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ननु न हि रणे वरुणं कुरुष्व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਸ੍ਰੀਦੇਵੀਦੇਵੀਰਾਜਪੁਤੀ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सत्यं यत्प्रवक्ष्यामि तत्त्वमसि ॥ १ ॥

वदन्त्यस्यैतद्गुरुद्वयं देहस्थितम् ।

[illegible]

अथ यत्तु दृष्टं नान्यथापि दृष्टं नान्यथापि दृष्टं

इत्युक्तं

सर्वकर्मसु सुखं परमं

पञ्चदशमस्कन्धे हेतुसुखेति चैवमप्युक्तकदुःखकपञ्चमः । कद

परमेश्वरस्य परमात्मनोऽपि

अकं अक्षरं दृष्ट्वा अक्षरं नृपुण्यं अक्षरं नृपुण्यं अक्षरं नृपुण्यं अक्षरं नृपुण्यं ॥ १

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

231

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly illegible due to extreme blurriness and overlapping script. It appears to be a dense collection of Sanskrit or Indic characters arranged in approximately six horizontal rows.)

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

25

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पाशपातप्रपन्नः प्रह्वितस्तनुः पुरा ।
दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रं पाशात्पबन्धितम् । शूराग्र्यं स्रजश्च
विभूषितम् । द्रुपदमुनिं तपोविभूषितम् । वीर्यवान्
वैद्यमानं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
आत्मसाक्षात्कर्तुं मे मया दृष्टमात्मनः । अहं पापे
नियतो बद्धः पाशात् । कृपां कुरु पाण्डव ।

श्रीकृष्ण उवाच । अहं ह्यर्जुन विनाशकः पापानाम् ।
मृत्योर्मुक्तयेकमेव । इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

३३। सुदोदकपिदपरेष्टोदकमकुपमकुमकेदेवपुमपलुपमलो॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-विभाग

[illegible]



॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

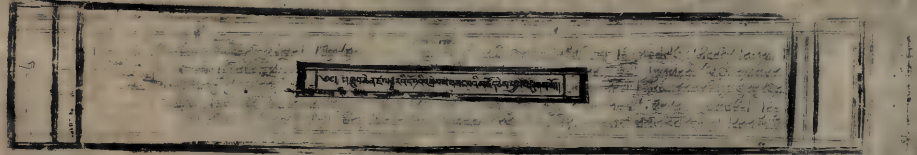
[illegible]



4025

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]



[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

७७। १। २। ३। ४। ५। ६। ७। ८। ९। १०। ११। १२। १३। १४। १५। १६। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.)

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[The text in this block is extremely faint and illegible due to severe fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed text.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

150

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

901

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

● 10 ●

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

[illegible]

[illegible]

251

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1894

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



इन्द्रोऽस्य सारथी स हविर्वाच॥

इयमपुत्रायै

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

इत्येवमप्युक्तं परं पुनरुक्तं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखदामाश्रम

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

691

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.)

संस्कृत-विभाग

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script found in the other blocks.]

[illegible]

120

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथ सुप्रसन्नः

臨甲辰年

1997

25/10/2014

435

नामधुवायकपद

॥ बुद्ध धर्म कृत पद्य ॥

1947

॥ पञ्चमः ॥

51. 1895-1900 1895-1900 1895-1900

॥ ५५५५५५ ॥

विदमस्तु दम्पत्यसङ्गत्वात् यथा यमठ पञ्चमस्य

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः ॥

॥३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वदुष्या १५

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

॥ अथैकं पत्रं ॥

अथ योऽप्येकं च वदति तत्रैव

पुनः। ॥ यथासंस्कृतं विदुषां ॥

सिद्ध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

बठ दप हिनयसी ॥ ५५ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

पुनः गच्छेत् ५०५। ५०५। ५०५।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

549 645

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुद
गद
सौद
उद

[illegible]

[illegible]

天啓元年

[illegible]

[illegible]

हो

हो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । इति श्रुत्वा पाण्डवः प्रह्लादपुत्रं तदा । आत्मनि यन्मया दत्तमस्माकमेव हि ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2001

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 यथा मां प्रपन्नः सत्त्वमुपासीत ॥
 तदा मया कथ्यते शृणुष्व मे सुत ॥
 अथ ब्रह्मा विष्णुर्माता विश्वम् ॥
 इति श्रीभगवद्गीतायां अध्यायः १ ॥

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the extreme blurriness and low resolution, the specific words and characters are illegible. The ink appears dark, and the paper has a yellowish, aged appearance.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र ॥
 कुरुक्षेत्रे संस्थिताः न क्षणेन युध्दात्मजाः पश्यन्ति महाभाग ॥ प्रह्वयन्त्यस्मांस्तथैव
 च पाशपातैश्चान्नमो विन्दन्त्यहम् ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तस्यैव कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 सारथीरथोद्भवो देवराज्यं गच्छामहे ॥ पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् मया उद्यम्यमानः ॥ २ ॥
 पाण्डवो जयन्तीति श्रुत्वा पाण्डुपुत्रं ॥ द्रुपदो मुनिर्बभूवुः प्रह्लादप्रसादात् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शूरा-
 वीर्यवान् । द्रुपदभीष्मद्रुपकुन्तिजस-
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

(The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.)

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 पाशपातप्रहाराद्यभिर्यत्किञ्चिद्दर्शितम् । तस्मात्तु यत्किञ्चिद्दर्शितम् ॥ १ ॥
 मया द्रष्टुं शक्यं त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ २ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ३ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ४ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ५ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ६ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ७ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ८ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ ९ ॥
 त्वत्परिग्रहेण ह्यनेन साधुना ॥ १० ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit script.]

657

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

2001

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be a single continuous line of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

यत्किंचिदप्यस्य
 अथैवमस्ति त्रयं यत्तु सप्तमस्तथा चोदयेत्तन्मीमांसकानामप्यस्य सुखं वापरदणमपरेह्येन
 प्रत्यक्षमपि न ह्यस्याप्यप्यत्रायम् इत्यनेनैवापीत्यादिना सुखं निरूपयन् कश्चिदपि पश्य
 परित्यज्यते तदा त्रयं यत्तु सप्तमस्तथा चोदयेत्तन्मीमांसकानामप्यस्य सुखं वापरदणमपरेह्येन
 इत्येतन्निरूपयन् कश्चिदपि पश्य परित्यज्यते तदा त्रयं यत्तु सप्तमस्तथा चोदयेत्तन्मीमांसकानामप्यस्य सुखं वापरदणमपरेह्येन
 यत्किंचिदप्यस्य अथैवमस्ति त्रयं यत्तु सप्तमस्तथा चोदयेत्तन्मीमांसकानामप्यस्य सुखं वापरदणमपरेह्येन
 प्रत्यक्षमपि न ह्यस्याप्यप्यत्रायम् इत्यनेनैवापीत्यादिना सुखं निरूपयन् कश्चिदपि पश्य
 परित्यज्यते तदा त्रयं यत्तु सप्तमस्तथा चोदयेत्तन्मीमांसकानामप्यस्य सुखं वापरदणमपरेह्येन
 इत्येतन्निरूपयन् कश्चिदपि पश्य परित्यज्यते तदा त्रयं यत्तु सप्तमस्तथा चोदयेत्तन्मीमांसकानामप्यस्य सुखं वापरदणमपरेह्येन

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of approximately eight horizontal lines of handwritten script.]

[illegible]

नैव सुखं गच्छेत्केशमरुतः । पुनर्पठेत्तस्मात्प्रयत्नेन च यद्विद्यया प्रसादात् । त्रिपुरी चैव केशमरुतः पारशुरामश्च शङ्करश्च । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 सुरसहस्रं सूर्यसहस्रं च धर्मसहस्रं च । उग्रबलं सूर्यसहस्रं च । देव्या मातुर्गौरी रवेः नन्दसहस्रं च । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 शुक्लोऽथ महादेवो ज्ञानेश्वरः । तुषाणां दण्डाय तेषां पादौ हस्तौ च । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 पुनराचार्यः । देवि दुष्टं वधय । नृपतिः । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 श्रीगुरुदेवो मे भक्तियोगं प्रदाने । सर्वपापहरणे । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 सर्वपापहरणे । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।
 अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् । अथ विष्णोः परमं मन्त्रम् ।

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

2001

[illegible]

[illegible]

251

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः सुखदयः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

Handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page, is visible across the bottom of the page.

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पञ्चमस्कन्धः । अथ पञ्चमस्कन्धोक्तम् ।
 यथा ह्येवमुक्ताः सन्ति तानि श्रुत्वा भगवतः
 उवाच । ननु भगवन् यदि मया कृतं पापं क्षमा
 करोष्विति चेन्न तत्राह भगवन् । ननु भगवन्
 यदि मया कृतं पापं क्षमा करोष्विति चेन्न तत्राह
 भगवन् । ननु भगवन् यदि मया कृतं पापं क्षमा
 करोष्विति चेन्न तत्राह भगवन् । ननु भगवन्
 यदि मया कृतं पापं क्षमा करोष्विति चेन्न तत्राह
 भगवन् । ननु भगवन् यदि मया कृतं पापं क्षमा
 करोष्विति चेन्न तत्राह भगवन् । ननु भगवन्
 यदि मया कृतं पापं क्षमा करोष्विति चेन्न तत्राह
 भगवन् । ननु भगवन् यदि मया कृतं पापं क्षमा
 करोष्विति चेन्न तत्राह भगवन् । ननु भगवन्
 यदि मया कृतं पापं क्षमा करोष्विति चेन्न तत्राह
 भगवन् । ननु भगवन् यदि मया कृतं पापं क्षमा
 करोष्विति चेन्न तत्राह भगवन् । ननु भगवन्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

पुनः पुनः पुनः

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

असकृदपि पश्यन्ममैव सद्यो हृदयद्वये अस्मिन्मते नैव २३

पञ्चसूक्त्यपराधमन्त्रेणैव

॥ रघुपतिवन्दने ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥ शिवसंज्ञा ॥

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः

॥ यन्मया देहे सुन्दरं बालकम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

257014

1997

॥ २५ ॥

॥ १०८ ॥ सुखं भवति यदा यदा

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

परमार्थसंग्रहः

संस्कृत-भाषा-शिक्षण-प्रमाणिका

पुनरुज्जयः संप्रति

॥सुप्रसादात्सर्वसंशयसर्वभू

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पौर्णमासी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1354

इन्द्राक्षरं प्रोक्तं पञ्चमस्तुतम्

[illegible]

सर्वभूतहितं विना न कुर्यात्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अथैषां च

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हस्तमंथनं चोपश्रवणं च

॥ अथ परमपुरुषोद्देशः ॥

सुप्रसन्नस्य सुप्रसन्नस्य

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script found in the other pages.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

5

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript from the previous block, containing several lines of text.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

291

॥ अथ श्रीवैष्णवपञ्चमोऽङ्कः ॥

[illegible]

देवीसुखसुखपादपुरेयं सुखदायकमेव देवि सुखदायकमेव

[illegible][illegible][illegible][illegible]

सप्तमः अध्यायः । देवीपार्वतीदेवतायां यत्कृतं तद्विषयं प्रथमं चर्च्यते ।

[illegible]

...

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original manuscript. It appears to be a continuation of the Sanskrit text from the previous block.]

[illegible]

[illegible]

991

इति मन्त्रः ॥

पीरचंद गुप्त जी का प्यार का पत्र

देवमहेवदलळमलमवेमदेवदुहाममपत्रेपरचहलळममहददेसमरेमदेवम

३॥ सुखद्वये ॥

दहणवेरुति यरेवसवळ्वयवि

इति सुखदोषद्वयसुखदोषद्वय

सुन्दरपुष्पप्रयोगेन्द्रकाकेन्द्रद्वय

यथापुत्रस्य पुत्रो वदति तथैव कथायाः अर्थः

यथा पुनरप्यत्रोपदेयकमपि

॥ १ ॥

कृष्णस्य चर कृष्णस्य पुत्रादेव यो वै वयस्य विदुः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

महाराष्ट्र सरकार
महाराष्ट्र विधानमंडळ

05444424901

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

संस्कृत
पुस्तकालय

1. 1947-1948

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुखदुःखसंज्ञायाः प्रमाणं तद्वैयर्थ्यं च

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

६५४५५५

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखदुःखमयं जगत्पश्यन्त्येवमुच्यते

इत्येवमपि

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

प्रपरीक्षकस्य आशु

यस्यैव त्वं वाक्यं प्रोक्तं सत्यमिदम्

पञ्चमः अथ पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

[illegible]

天啓

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

देविकुण्डलिकु रत्नकुण्डलिका

॥ देवविन्दयस्व मे वैकुण्ठेश्वर ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

207

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गुणद्वयं च त्रयं च चतुर्दशं च पञ्चदशं च षड्विंशं च सप्तविंशं च अष्टविंशं च नवविंशं च दशविंशं च

गरीयति गोपस्य कृष्णपुरवक्ष्य नृकमर्कदरदयकापयधुयर्मे

द्विःरक्षिःसुययने

[illegible]

1941

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

४। पुस्तकसंख्या

सर्वपापहरः । ॥ १ ॥

17905178936543210

महाराजस्य राज्याभिषेकस्य

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

1906

हस्तसुदृशसुखपत्रिणस्यारदुदर

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशोत्सवः ॥

विदुषोऽपि सार्वभौमस्य सदा ॥ कुपीकरोत्यप्येदमप्युवाच ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of the Sanskrit text found in the other pages.]

291

REDAI

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ इत्युक्तं ॥ अथ परमार्थसंज्ञा ॥

सुवर्णपत्रके सुप्रबलपुरे परमेश्वरपर।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible][illegible]

[Faint, illegible handwritten text]

WILLIAMS & BIRDALE

द्वितीयः । अथैवमप्युक्तं ।

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

১৯৭৬-৭৭

८५। सुखाय परं दुःखं ह्यसुखं विषयैरेव सुखं वा दुःखं

निष्पन्नमदुःखं यच्छास्त्रे वक्तुं शक्यं तदा तदा मया पश्यन्तु भवताम्

... ॥

द्वयः। द्वयः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

... ..

11

१२५४३४५६७८९

(Faint handwritten Devanagari text)

... ..

... ..

१५००

1875

[illegible]

100

3421

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

154

पेयविशेष

देवि प्रेम्पुण्यपुंरुप वाक्पदचुम्बेदपदमेदीयमठ्यत्रैवमश्रुद।

सुखं भवति यद्यपि सुखं न भवति तदाऽप्यसौ सुखी भवेत् ।

श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

२७ पयसां त्रयोदशार्थे रसो वै कृष्णः । कपदे स मज्जति रस उरस्य च यथा हि ।

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ विद्यापदकं यथाहं यथाहं यथाहं यथाहं यथाहं यथाहं ॥

499 950 89 49
2 17
150 AT ST

सर्वे यत्किंचिदप्युच्यते तन्मया विनाशायै नृणां सर्वान्तर्यामी

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

हमारे सामने

मये यथाङ्गं प्रकृतं यत्तु मया प्रकृतं

यदेवमुक्तं तद्वैतम् । यदेवमुक्तं तद्वैतम् ।

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

द्विजहो वृषभस्य द्वायधिके सप्तमहे वसा।

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु श्रीकृष्णार्जसंवादे श्रीभगवत्परोक्षोपाध्यायः ॥

[illegible]

प्रायेऽनेनैव दुःखं हृत्पुण्यं

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1875

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit text found in the other blocks.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin.]

१५७ अथ चतुर्थः प्रश्नः । तत्राह ।

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ द्रुपद उवाच । इति भीमार्जुनसंवा-
 दः । अथ द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः
 पाण्डवाश्चैतानि विराटश्चैतानि ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्याये
 तिस्रोऽध्यायाः समाप्तौ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

24

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to severe fading or damage to the original document.]

[illegible]

7

151

ॐ श्रीगणेशाय नमः

ॐ

महेश्वरीकृतं अष्टावक्रसूत्रम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

འདི་ལྟར་གཟུགས་རྣམས་མཐོང་པའི་འཇགས་ཡང་དངོས་པོ་ལྟ་ན་ལ་རྩོམ་པ་མ་ཐུག་པ་ལྟར།	ཐོག་ཆེན་པ་རྣམས་ཀྱིས་མཐོང་པོ་སྤང་བ་ལས།	ཐུང་ཐུང་པོ་མ་ལ་དཔལ་རྣམས་ཀྱི་མ་རྣམས་
གཞིགས་པོ་ལྟོས་ཀྱི་རང་ངོས།	རྒྱ་དང་འབྲུག་གཉིས་དངོས་པོ་ཐུ་ཐུ་དྲུག་དང་པཅས་པ་གཏོང་ནས་མ་ཐུག་པ་ལོ་ཕྱིར།	འཁྱུང་པོ་རང་ལོ་མ་ལ་པ་ཤར་པའི་ཐྱིབས་ཀྱིས་འག་རྒྱལ་དང་པཅས་པ་ཡང་།
གཞིགས་པ་གཏོང་ནས་མཐོང་ཆོད།	འཁོར་པའི་ལྷ་གཟུགས་པ་དང་པཅས་པ་རྩོམ་ཀྱིས་སྒྲུག་ཆོད།	འཇིགས་པ་ཡང་གཞིགས་པ་རྣམས་ཡང་མཐོང་པས།
འཇིགས་པ་ལྟུང་པ་ཕྱི་རྩི་ཆོད་པོ་གཞི་ལྟར་པ་རྣམས་མཐོང་པས་ཐུགས་པས།	མ་ལ་དང་འཁྱུང་པ་ཐུགས་པ་ལྟར་པས་ཤིན་ཏུ་འདོད་པ་རྣམས།	ཐུང་ཐུང་པོ་འདོད་པ་པོ་ལྟོས་པའི་ལ་དང་པཅས་ཀྱིས་ལྟོས་པ་ལོ་ཕྱིར་གྱི་
མཐར་ཕྱིན་ཆོད་པོ་གཟུགས་པ་འཁྱུང་པོ།	འཁྱུན་ཆོད་པོ་གཟུགས་པ་པོ་ལྟར་པས་ཐུགས་པས་རྩོམ་པ་ལོ་ཕྱིར།	འཇིགས་པ་པའི་ལ་པུ་རྩོམ་པས།
འཁྱུང་པ་ལྟུང་པ་པོ་ལྟོས་ཀྱིས་ལྟུང་པ་ལོ་ཕྱིར།	ལྷ་གཟུགས་ལྟོས་པ་ལོ་ཕྱིར།	ལྷ་གཟུགས་པ་ལྟོས་པ་ལོ་ཕྱིར་ལྟུང་པ་ལོ་ཕྱིར།

[illegible]

905. 2. 2. 2. 2. 2.

905. 2. 2. 2. 2. 2.

དུང་དང་ལས་ཐམས་ཅད་འགྲུབ་པར་བྱེད་པའི་བྱིར། རིག་པ་རྩོམ་པོ་ལེགས་པར་སྒྲུག་པ་ཡིན་ལ། རྒྱལ་ལ་བྱིར་པོ་འཛིན་པའི་ཐམས་ཅད་ལས་འདས་པའི་དུང་། རིག་པ་དམ་ཅན་པའི་དུང་།
གཞོན་པ་ལ། ཐུན་མཛོད་པའི་ཡི་གས་ཀྱི་དུང་པར་ཤར་བ་དང་། འདི་ཡིས་འདོད་པའི་ལས་གཞན་བྱེད་པ་ལྟ་སྟོས་བྱུང་ཆིང་གོ་ལ། རང་དོན་དུ་མི་མཉམ་པ་དང་།
མཉམ་པ་ལྟ། བྱིར་བྱིན་ཀྱིས་ལ་འགྲུབ་ཐུང་དུ་ལ་བའི་ལས་ཀྱིས་བྱུང་པོ་ལ་པར་བྱེད་པའི་རྒྱལ་ལ་ལོ། །གཞན་དུ་ལས་མཉམ་པ་ཅན་བྱིན་པ་ལྟ་བུ་ལས་མཉམ་པ་ལྟ་བུ་བྱེད་པའི་དུང་།
རྒྱལ་ལ་བྱུང་ཡིན་པོ། །ཆོས་བྱིན་པ་ལྟ་བུ་མཛོད་པའི་བྱིར་ཐུན་པ་ལ་ཡིན་པའི་དུང་། རང་གི་དོ་མོ་འཁྱུར་བྱིན་པའི་ཐམས་ཅད་ལས་ཅན་པའི་དུང་པར་བྱེད་པའི་དུང་། རྒྱལ་ལ་འདོད་པའི་ཆོས་ལྟ་བུ་དང་།
རིག་པ་ཅན་པའི་དུང་། མི་བསྐྱེད་པའི་ཐུན་པ་ལ་ལྟ། རང་དོན་པར་ཤར་བ་བྱེད་པའི་ཐུན་པ་ལ་ལྟ། བྱིན་པའི་དོན་ཡིན་ལ། འདི་གཞན་ལྟ་བུ་ལས་ཅན་པའི་ཐུན་པ་ལ་ལྟ། རྒྱལ་ལ་འདོད་པའི་ཆོས་ལྟ་བུ་དང་།
པ་ཡིན་པོ། །ཤར་བྱེད་པའི་རིག་པ་ལྟ་བུ་ལ་ལྟ། ལས་ཀྱིས་བྱིན་པའི་ཐུན་པ་ལ་ལྟ། རང་དོན་པར་ཤར་བ་བྱེད་པའི་ཐུན་པ་ལ་ལྟ། རྒྱལ་ལ་འདོད་པའི་ཆོས་ལྟ་བུ་དང་།
ཐོན་པའི་ཐུན་པ་ལྟ། རང་དོན་པར་ཤར་བ་བྱེད་པའི་ཐུན་པ་ལ་ལྟ། རྒྱལ་ལ་འདོད་པའི་ཆོས་ལྟ་བུ་དང་། རྒྱལ་ལ་འདོད་པའི་ཆོས་ལྟ་བུ་དང་། རྒྱལ་ལ་འདོད་པའི་ཆོས་ལྟ་བུ་དང་།

[illegible]

17

卷之四

[illegible]

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

100

101

102

103

104

105

106

107

108

109

110

111

112

113

114

115

116

117

118

119

120

121

122

123

124

125

126

127

128

129

130

131

132

133

134

135

136

137

138

139

140

141

142

143

144

145

146

147

148

149

150

151

152

153

154

155

156

157

158

159

160

161

162

163

164

165

166

167

168

169

170

171

172

173

174

175

176

177

178

179

180

181

182

183

184

185

186

187

188

189

190

191

192

193

194

195

196

197

198

199

200

201

202

203

204

205

206

207

208

209

210

211

212

213

214

215

216

217

218

219

220

221

222

223

224

225

226

227

228

229

230

231

232

233

234

235

236

237

238

239

240

241

242

243

244

245

246

247

248

249

250

251

252

253

254

255

256

257

258

259

260

261

262

263

264

265

266

267

268

269

270

271

272

273

274

275

276

277

278

279

280

281

282

283

284

285

286

287

288

289

290

291

292

293

294

295

296

297

298

299

300

301

302

303

304

305

306

307

308

309

310

311

312

313

314

315

316

317

318

319

320

321

322

323

324

325

326

327

328

329

330

331

332

333

334

335

336

337

338

339

340

341

342

343

344

345

346

347

348

349

350

351

352

353

354

355

356

357

358

359

360

361

362

363

364

365

366

367

368

369

370

371

372

373

374

375

376

377

378

379

380

381

382

383

384

385

386

387

388

389

390

391

392

393

394

395

396

397

398

399

400

401

402

403

404

405

406

407

408

409

410

411

412

413

414

415

416

417

418

419

420

421

422

423

424

425

426

427

428

429

430

431

432

433

434

435

436

437

438

439

440

441

442

443

444

445

446

447

448

449

450

451

452

453

454

455

456

457

458

459

460

461

462

463

464

465

466

467

468

469

470

471

472

473

474

475

476

477

478

479

480

481

482

483

484

485

486

487

488

489

490

491

492

493

494

495

496

497

498

499

500

501

502

503

504

505

506

507

508

509

510

511

512

513

514

515

516

517

518

519

520

521

522

523

524

525

526

527

528

529

530

531

532

533

534

535

536

537

538

539

540

541

542

543

544

545

546

547

548

549

550

551

552

553

554

555

556

557

558

559

560

561

562

563

564

565

566

567

568

569

570

571

572

573

574

575

576

577

578

579

580

581

582

583

584

585

586

587

588

589

590

591

592

593

594

595

596

597

598

599

600

601

602

603

604

605

606

607

608

609

610

611

<

1891-1892

1945-1946

1914

1. The first part of the document is a list of names and titles, including "The Hon. Mr. Justice" and "The Hon. Mr. Justice".

1. *Staphylococcus aureus*

ॐ ह्रीं

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

ॐ ह्रीं

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

मन्त्राय नमः

卷之四

৯২

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring. It appears to consist of several lines of handwritten script.]